



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 258]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 27, 1986/आषाढ़ 6, 1908

No. 258]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 27, 1986/ASADHA 6, 1908

इस भाग में भिन्न वृष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सफलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Page is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 27 जून, 1986

आदेश

का. आ. 385 (अ)/18-ए/आई. डी. आर. ए./86—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 170 (अ)/18-ए/आई. डी. आर. ए./79, तारीख 30 मार्च, 1979 द्वारा (जिसे हमने इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) मैसर्स महादेव टेक्सटाइल मिल्स, हुबली, कर्नाटक नामक समस्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क के अधीन उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था और कर्नाटक राज्य सरकार की उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 208 (अ)/18-ए/आई. डी. आर. ए./84,

तारीख 27 मार्च 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 सितम्बर, 1984 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है बढ़ा दी गई थी,

और, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 740 (अ)/18-ए/आई. डी. आर. ए./84, तारीख 26 सितम्बर, 1984 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 मार्च, 1985 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी,

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 237 (अ)/18-ए/आई. डी. आर. ए./85, तारीख 26 मार्च, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 सितम्बर, 1985 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी ;

और, भारत सरकार के उद्योग और कपनी कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 690 (अ)/18-ए/आई. डी. आर. ए./85, तारीख 25 सितम्बर, 1985 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 मार्च, 1986 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई थी,

और, भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 116(अ)/18-ए ए/आई. डी. आर. ए./86, तारीख 27 मार्च, 1986 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 29 जून, 1986 तक के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है बड़ा दी गई थी।

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि को, 29 सितम्बर, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की अवधि के लिए, बढ़ा दिया जाए,

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि उक्त आदेश 29 सितम्बर, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, तीन मास की अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का. न. 3(2)/79-सी. यू. एस.]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 27th June, 1986

ORDERS

S.O. 385(E)/18AA/IDRA/86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 170(E)/18AA/IDRA/79, dated the 30th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textile Mills, Hubli, Karnataka, was taken over under Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years commencing from the date of its publication of the said Order in the Official Gazette, and the State Government of Karnataka was authorised to take over the management of the said Industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 208 (E)/18AA/IDRA/84, dated the 27th March, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 29th September, 1984;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 740(E)/18AA/IDRA/84, dated the 26th September, 1984, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 29th March, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 237(E)/18AA/IDRA/85, dated the 26th March, 1985, the period of said Order was extended upto and inclusive of the 29th September, 1985;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 690(E)/18AA/IDRA/85, dated the 25th September, 1985, the period of said Order was further extended upto and inclusive of 29th March, 1986;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 116(E)/18AA/IDRA/86, dated the 27th March, 1986, the period of said Order was further extended upto and inclusive of the 29th June, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

[F. No. 3(2)/79-CUS]

का. आ. 386 (अ) 18-चख/आई. डी. आर. ए./86.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश न. का. आ. 192(अ)/18-चख/आई. डी. आर. ए./79 तारीख 31 मार्च, 1979 द्वारा (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के अन्तर्गत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश को जारी किए जाने की तारीख से तीन मास के लिए प्रभावी रखा जायेगा और उक्त आदेश के अन्तर्गत प्रदत्त पक्षात्, करारों, परिनिर्माणों, पत्राचारों, न्यायी आदेशों या अन्य विवादों का (उनके अन्तर्गत) विनियमन सम्बन्धी के प्रतिभूत दाखिलों से सम्बन्धित हैं, जिनका प्रयोग महादेव टेक्स्टाइल मिल्स दुबली कर्नाटक नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हैं, प्रवर्तन ऐसी तारीख से पाँच वर्ष की अवधि के लिए निरन्तर रहेगा, और उक्त तारीख से पहले उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी बाध्यताएँ और दायित्व उक्त अवधि के लिए निरन्तर रहेंगे,

और भारत सरकार के उद्योग मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश स. का. आ. 232(अ)/18-चख/आई. डी. आर. ए./80, तारीख 31 मार्च, 1980, का. आ. 215(3)/18-चख/आई. डी. आर. ए./81, तारीख 25 मार्च, 1981, का. आ. 209(अ), 18-चख/आई. डी. आर. ए./82 तारीख 30 मार्च, 1982, का. आ. 258(अ) 18-चख/आई. डी. आर. ए./83—, तारीख 30 मार्च, 1983, का. आ. 209(अ)/18-चख/आई. डी. आर. ए./81 तारीख 27 मार्च, 1984, का. आ. स. 741(अ)/18-चख/आई. डी. आर. ए./84—तारीख 26 सितम्बर, 1984, उद्योग और कंपनी कार्य मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के का. आ. स. 238(अ)/18-चख/आई. डी. आर. ए./85, तारीख 26 मार्च, 1985, का. आ. स. 601(अ)/18-चख/आई. डी. आर. ए./85 तारीख 25 सितम्बर, 1985 और का. आ. 117(अ)/18-चख/आई. डी. आर. ए./86, तारीख 27 मार्च, 1986 द्वारा उक्त आदेश की अवधि, तारीख 29 जून, 1986 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है बड़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश 29 सितम्बर, 1986 तक की तीन मास की अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बड़ा दी जानी चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-खख की उपधारा (2) के साथ बंदिश उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि को 29 सितम्बर, 1986 तक तीन मास की और अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा. सं. 3(2)/79-सी यू एस]

ए. वी. गोकक, संयुक्त सचिव

S.O. 386(E)/18FB/IDRA/86.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 192 (E)/18FB/IDRA/79, dated the 31st March, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textiles Mills, Hubli, Karnataka, is party or which may be applicable to the said Industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year from such date and that all obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 232(E)/18FB/IDRA/80, dated the 31st March, 1980, S.O. 215(E)/18FB/IDRA/81, dated the 25th March, 1981, S.O. 209(E)/18FB/IDRA/82, dated the 30th March, 1982, S.O. 258(E)/18FB/IDRA/83, dated the 30th March, 1983, S.O. 209(E)/18FB/IDRA/84, dated the 27th March, 1984, S.O. 741(E)/18FB/IDRA/84, dated the 26th September, 1984, and the Orders of the Ministry of Industry and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 238(E)/18FB/IDRA/85, dated the 26th March, 1985, S.O. 691(E)/18FB/IDRA/85, dated the 25th September, 1985 and S.O. 117(E)/18FB/IDRA/86, dated the 27th March, 1986, the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 29th June, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2), of Section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period of three months upto and inclusive of the 29th September, 1986.

[File No. 3(2)/79-CUS]

A. V. GOKAK, Jt. Secy.

